श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मनित विश्वविद्यालय

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

संख्या : ला.ब.शा./आई.क्यू.ए.सी/2014/ दिनांक : 16/12/2014

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ द्वारा अपने सभी आन्तरिक सदस्यों का एक उपवेशन दिनांक 16 दिसम्बर 2014 अपराह्ण 2 बजे सरास्वत साधना सदन के तृतीय तल, कक्ष संख्या 308 में समायोजित हुआ। उपवेशन में प्रो. एस.एन. रमामणि एवं प्रो. शुद्धानन्द पाठक अवकाश पर होने के कारण उपस्थित नही हो सके, अन्य अधोनिर्दिष्ट सभी सदस्यों ने अध्ययन अध्यापन की गुणवत्ता की दृष्टि से सम्पन्न महत्त्वपूर्ण विचार–विमर्श में भाग लिया।

क्र.	सदस्य	मोबाइल	पद
1.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित	9810061951	अध्यक्ष
2.	प्रो. भास्कर मिश्र	9911366108	सदस्य
3.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	9868087799	सदस्य
4.	प्रो. कमला भारद्वाज	9810967067	सदस्या
5.	प्रो. एस.एन. रमामणि	9868805039	सदस्या
6.	प्रो. शुद्धानन्द पाठक	9312041381	सदस्य
7.	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	9911856763	सदस्य
8.	प्रो. वीर सागर जैन	9868888607	सदस्य
9.	प्रो. सुमन कुमार झा	9868085785	सदस्य
10.	डॉ. कान्ता	9868115576	सदस्या

आई.क्यू.ए.सी निदेशक द्वारा उपवेशन में मङ्गलाचरण के अनन्तर उपस्थित सभी आन्तरिक आई.क्यू.ए.सी सदस्यों का स्वागत किया गया।

आई.क्यू.ए.सी निदेशक प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित ने सभी आई.क्यू.ए.सी सदस्यों को आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की आवश्यकता तथा कार्य के विषय में सूचना दी तथा इसके माध्यम से कैसे विद्यापीठ में पठन–पाठन एवं प्रशासन की गुणवत्ता को बढ़ाया जाए इस विषय में चर्चा की। प्रो. दीक्षित ने आई.क्यू.ए.सी द्वारा तैयार, पूर्व आई.क्यू.ए.सी के सदस्यों द्वारा अनुमोदित एवं नैक

को प्रेषित ए.क्यू.ए.आर 2013–14 नवगठित प्रकोष्ठ के सदस्यों के अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया साथ ही ए.क्यू.ए.आर 2014–15 के विषय में चर्चा भी की।

ए.क्यू.ए.आर पर विचार–विमर्श के अनन्तर प्रकोष्ठ के निदेशक ने बताया कि विद्यापीठ के मूल्याङ्कन हेतु नैक द्वार प्रत्यायन से सम्बद्ध कार्य त्वरित गति से चल रहा है।

चर्चा के प्रसङ्ग में एन.सी.सी [मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा प्राप्त पत्र संख्या 63–6/2014-DESK U(PT.1) दिनांक 04.09.2014] एवं पर्यावरण विषय [विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्राप्त पत्र संख्या DO NO. F.13/-1/2000(EA)ENV/COS-1 दिनांक 07.08.2014] को यथाक्रम इलेक्टिव एवं अनिवार्य विषय के रूप में अग्रिम सत्र से शास्त्री स्तर पर पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने के विषय में गुणवत्ता की दृष्टि से चर्चा की गई तथा मानव संसाधन विकास मन्त्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिखित निर्देश का सर्वसम्मति से सदस्यों ने अनुमोदन किया साथ ही पाठ्यक्रम निर्माण के लिये विद्यापीठ द्वारा गठित समिति से आग्रह किया कि यह पाठ्यक्रम यथा–शीध्र तैयार कर विद्यापीठ प्रशासन को विद्वत् परिषद् एवं प्रबन्धन–मण्डल से पारित करवाने हेतु प्रस्तुत करें।

उपवेशन में अन्य विषयों पर अध्यक्ष की अनुमति से चर्चा के क्रम में डॉ. सुमन कुमार झा द्वारा प्रस्तुत '**विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली**' (च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम) के अन्तर्गत वैकल्पिक विषयों के अध्ययन–अध्यापन के सन्दर्भ में समस्त विभागों में समान नीति के अनुसरण को सुनिश्चित करने के लिये एक निरीक्षण समिति के गठन के प्रस्ताव का सदस्यों ने एक मत से समर्थन किया। प्रो0 इच्छाराम द्विवेदी जी ने ''**प्रतिक्रिया प्रपत्र**'' (फीडबैक फार्म) अनिवार्य रूप से छात्रों द्वारा भरवाने के सन्दर्भ में सुझाव दिया कि ''इसे हर छात्र के लिये अनिवार्य किया जाय तथा इसके न भरे जाने की स्थिति में छात्रों को प्रवेश पत्र न देने के निर्देश परीक्षा भाग को स्थायी रूप में निर्गत किया जाय।'' सभी सदस्यों ने इस सुझाव का समर्थन किया तथा माना कि इस प्रकार विद्यार्थियों से मन्तव्य प्राप्त कर अध्ययन एवं अध्यापन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान सम्भव हो सकेगा।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा विद्यापीठ की गुणवत्ता में सतत परिष्कार की दृष्टि से अतिरिक्त शास्त्रीय संगोष्ठियों के आयोजन, अन्तः–शास्त्रीय विषयों पर कार्यशालाओं के संयोजन, संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण से सम्बद्ध

शिवरों के आयोजन, संस्कृत नाटकों के मंचन के साथ–साथ छात्रों में अभिनय कला के विकास करने के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण आदि की आवश्यकता भी गुणवत्ता की त्वरित प्रतिष्ठा के लिये सभी सदस्यों ने अपरिहार्य माना।

सभी आई.क्यू.ए.सी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ उपवेशन परिपूर्ण हुआ।

प्रो. भास्कर मिश्र   प्रो. कमला भारद्वाज   प्रो. शुद्धानन्द पाठक   प्रो. वीर सागर जैन

डॉ. कान्ता   प्रो. प्रेम कुमार शर्मा 15.12.2014   प्रो. इच्छाराम द्विवेदी 16.12.2014

प्रो. एस.एन. रमामणि   प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित   प्रो. सुमन कुमार झा 16/12/2014